कानून प्रवर्तन के, सवालों का सामना करते समय क्या करना चाहिए

कानून प्रवर्तन के सवालों का सामना करते समय अपने अधिकारों को जानें।

किस प्रकार के कानून प्रवर्तन अधिकारी मुझसे पूछताछ करने की कोशिश कर सकते हैं?

राज्य या स्थानीय पुलिस अधिकारियों, संयुक्त आतंकवाद कार्य बल के सदस्यों, या एफबीआई, होमलैंड सुरक्षा विभाग (जिसमें इमीग्रेशन और कस्टम प्रवर्तन और बॉर्डर पेट्रोल शामिल है), ड्रग प्रवर्तन एडमिनिस्ट्रेशन, नौसेना आपराधिक जांच सेवा या अन्य एजेंसियों से संघीय एजेंटों सहित कई प्रकार के कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा आपसे पूछताछ की जा सकती है।

क्या मुझे कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देना होगा?

नहीं। आपके पास चुप रहने का संवैधानिक अधिकार है। सामान्य तौर पर, आपको कानून प्रवर्तन अधिकारियों (या किसी और) से बात करने की ज़रूरत नहीं है, भले ही आप अधिकारी से दूर जाने के लिए स्वतंत्र महसूस न कर रहे हों, आप गिरफ्तार हों, या आप जेल में हों। किसी प्रश्न का उत्तर देने से इनकार करने पर आपको दंडित नहीं किया जा सकता है। प्रश्नों का उत्तर देने के लिए सहमत होने से पहले एक वकील से बात करना एक अच्छा विचार है। सामान्य तौर पर, केवल एक न्यायाधीश ही आपको सवालों के जवाब देने का आदेश दे सकता है। (गैर-नागरिकों को इस विषय पर अधिक जानकारी के लिए धारा IV देखनी चाहिए।)

मेरे द्वारा सवालों के जवाब न देने के लिए क्या इस सामान्य नियम के कोई अपवाद है?

हां, दो सीमित अपवाद हैं। पहला, कुछ राज्यों में, यदि आपको रोका गया है और खुद की पहचान बताने के लिए कहा गया है तो आपको कानून प्रवर्तन अधिकारियों को अपना नाम बताना होगा । लेकिन यदि आप अपना नाम बताते भी हैं, तो भी आपको अन्य सवालों के जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। दूसरा, यदि आप गाड़ी चला रहे हैं और आपको ट्रैफ़िक उल्लंघन के लिए पकड़ा जाता है, तो अधिकारी को आपको अपना लाइसेंस, वाहन पंजीकरण और बीमा के प्रमाण दिखाने की आवश्यकता हो सकती है (लेकिन आपको सवालों के जवाब देने की ज़रूरत नहीं है)। (गैर-नागरिकों को इस विषय पर अधिक जानकारी के लिए धारा IV देखनी चाहिए।)

क्या मैं सवालों के जवाब देने से पहले एक वकील से बात कर सकता हूं?

हाँ। सवालों के जवाब देने से पहले आपको वकील से बात करने का संवैधानिक अधिकार है, चाहे पुलिस आपको उस अधिकार के बारे में बताए या नहीं। वकील का काम आपके अधिकारों की रक्षा करना है। एक

बार जब आप कहते हैं कि आप एक वकील से बात करना चाहते हैं, तो अधिकारियों को आपसे सवाल पूछना बंद कर देना चाहिए। यदि वे प्रश्न पूछना जारी रखते हैं, तो भी आपको चुप रहने का अधिकार है। यदि आपके पास एक वकील नहीं है, तब भी आप उस अधिकारी को बता सकते हैं कि आप सवालों के जवाब देने से पहले एक वकील से बात करना चाहते हैं। यदि आपके पास एक वकील है, तो उनके व्यवसाय कार्ड को अपने पास रखें। इसे अधिकारी को दिखाएं, और अपने वकील को बुलाने के लिए कहें। किसी भी कानून प्रवर्तन अधिकारी जिसने आपको रोका है उसका नाम, एजेंसी और टेलीफोन नंबर प्राप्त करना याद रखें, और यह जानकारी अपने वकील को दें।

क्या होगा अगर मैं कानून प्रवर्तन अधिकारियों से बात करूं?

आप कानून प्रवर्तन अधिकारी से जो कुछ भी कहते हैं उसका उपयोग आपके और अन्य लोगों के खिलाफ किया जा सकता है। ध्यान रखें कि एक सरकारी अधिकारी से झूठ बोलना अपराध है लेकिन जब तक आप एक वकील के साथ परामर्श नहीं करते हैं तब तक चुप रहना अपराध नहीं है। यहां तक कि अगर आप पहले से ही कुछ सवालों के जवाब दे चुके हैं, फिर भी जब तक कि आपके पास वकील न हो आप अन्य सवालों के जवाब देने से इनकार कर सकते हैं।

क्या होगा अगर मेरे द्वारा कानून प्रवर्तन अधिकारियों के सवालों का जवाब नहीं देने पर वह मुझे एक बड़े कानूनी समन की धमकी देते हैं?

एक बड़ा कानूनी समन आपके लिए अदालत में जाने और आपके पास मौजूद जानकारी के बारे में गवाही देने के लिए एक लिखित आदेश है।

यदि एक कानून प्रवर्तन अधिकारी एक समन देने की धमकी देता है, तो आपको अभी भी अधिकारी के सवालों के जवाब देने की आवश्यकता नहीं है, और आपके द्वारा कहा गया कुछ भी आपके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिकारी समन प्राप्त करने में सफल या असफल दोनों हो सकता है। यदि आपको एक समन प्राप्त होता है या एक अधिकारी आपको एक समन प्रदान करवाने की धमकी देता है, तो आपको तुरंत एक वकील को फोन करना चाहिए। यदि आपको एक समन दिया जाता है, तो आपको समन में कोर्ट में कब और कहाँ रिपोर्ट करनी है के लिए दिए गए निर्देश का पालन करना होगा, लेकिन आप अभी भी अपने चुप रहने के अधिकार का दावा करके ऐसा कुछ भी कहने से मना कर सकते हैं जो आपके खिलाफ आपराधिक मामले में इस्तेमाल किया जा सकता है।

क्या होगा अगर मुझे "आतंकवाद निरोधक साक्षात्कार" के लिए अधिकारियों के साथ मिलने के लिए कहा जाए?

आपके पास यह कहने का अधिकार है कि आप साक्षात्कार नहीं देना चाहते हैं, एक वकील चाहते है, साक्षात्कार के लिए समय और स्थान निर्धारित करना चाहते हैं, उन सवालों के बारे में जानना चाहते हैं

जो वे आपसे पूछेंगे, और केवल उन सवालों का जवाब दे सकते हैं जिन्हें आप सहज महसूस करते हैं। यदि आपको किसी भी कारण से हिरासत में लिया जाता है, तो आपको चुप रहने का अधिकार है। चाहे कुछ भी हो, मान लें कि आप जो कुछ भी कहें वह रिकॉर्ड से बाहर न हो और याद रखें कि एक अधिकारी को जानबूझकर झूठ बोलना एक अपराध है।